MP Board Class 7th Hindi Bhasha Bharti Notes Chapter 22 महाराजा श्री अग्रसेन

महाराजा श्री अग्रसेन परीक्षोपयोगी गद्यांशों की व्याख्या

1. देवभूमि भारत को अवतारों की क्रीड़ास्थली कहा जाता है। इस पवित्र भूमि में भगवान श्रीराम, योगीराज श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध, महावीर स्वामी और गुरु नानक जैसे महापुरुषों ने जन्म लिया। इसी पावन धरती में एक ऐसे ही महामानव का जन्म हुआ, जिसने समूची मानवता को सर्वप्रथम समाजवाद का पाठ पढाया। वह महान विभूति थे अग्रोहा नरेश महाराजा श्री अग्रसेन।

सन्दर्भ-प्रस्तुत गद्यांश 'महाराजा अग्रसेन' नामक पाठ से अवतरित है। यह एक संकलित रचना है।

प्रसंग-इन पंक्तियों में समय-समय पर भारतभूमि पर पैदा होने वाले महापुरुषों का वर्णन किया गया है।

व्याख्या-विश्व में अपने धर्मों, रीति-रिवाजों, भाषाओं, बोलियों एवं पहनावों के लिए सुप्रसिद्ध भारतभूमि जिसे देवभूमि भी कहा जाता है, सदैव से ही अनेक महापुरुषों की जन्मस्थली रही है। किसी ने ठीक ही कहा है कि इस पवित्र भूमि पर जन्म लेने के लिए मानव तो क्या ईश्वर तक लालायित रहते हैं। यह वही गौरवशाली भूमि है जिसने भगवान श्रीराम. योगीराज श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध, महावीर स्वामी और गुरु नानक जैसे अनेक महापुरुषों को अपनी कोख से जन्म दिया है। इसी पावन भूमि पर एक ऐसे महान व्यक्ति का जन्म हुआ जिसने सम्पूर्ण मानव जाति को सबसे पहले समाजवाद का पाठ पढ़ाया। वह महामानव थे अग्रोहा नामक नगर के राजा महाराजा श्री अग्रसेन।